अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2022) दिनांक : 17.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) बीदोजी ने बीदासर कब बसाया और उसका पुराना नाम क्या था?

(ख) जयाचार्य ने न्याय-व्यवस्था के पंचों को क्या अधिकार दिया?

(ग) मघवागणी ने आचार्य बनने के बाद थली क्षेत्र में कितने वर्षों तक विहरण किया? और सरदार शहर कितनी बार पधारे?

(घ) मघवागणी ने दो चातुर्मास की घोषणा कब व कहां की?

(ङ) सब सुविधाओं को छोड़कर त्याग वृत्ति की तरफ आगे बढ़ने का संकल्प लेना बड़ा दुष्कर कार्य है। यह कथन किसने किस संदर्भ में कहे?

(च) मघवागणी ने कुचामण ठाकुर को आत्म-सुधार के अमोघ साधन क्या दिए?

आचार्य माणकलाल जी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) आचार्य श्री माणकगणी की दीक्षा कब व कहां हुई?

(ज) जीवसुखराय जी तेरापंथी कब व कौन से आचार्य के शासन काल में बने?

(झ) जोधपुर चातुर्मास में मुनि माणक को कौन सी बीमारी हुई व इसका इलाज किसने किया?

(ञ) माणकगणी के हांसी मर्यादा-महोत्सव के अवसर पर कितने साधु-साध्वियां एकत्रित हुए?

आचार्य श्री डालचन्द जी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(ट) अन्तरिम काल में मुनि मगन लाल जी के लिए गलत अफवाह किसने व क्या फैलायी?

(ठ) 'यह तो धान की कोठी है' मुनि आनन्दराम जी की इस गलत भाषा का डालगणी ने क्या प्रायश्चित दिया?

(ड) सीते किसे कहते हैं?

(ढ) 'पेमजी का मायाचार' देखकर डालगणी ने उन्हें कब, कहां और क्या समझकर संघ से पृथक किया?

(ण) 'डूंगरास' में प्रासुक पानी की उपलब्धि बहुत कम हुई। तब प्रत्येक संत के विभाग में कितना पानी आया और इसकी पूर्ति कैसे हुई?

आचार्य श्री मघवागणी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मघवागणी ने लोगस्स की कौन सी परिपाटी प्रारम्भ की?

(ख) मुनि मघवा को चार कौन सी बख्शीसे, कहां दी गई?

(ग) संक्षेप में स्पष्ट करें कि मुनि मघवा तेरापंथ में संस्कृत के प्रथम विद्वान थे।

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) बत्तीस या पैंतालीस।

(ख) मघवागणी की अस्वस्थता देखकर श्रीचन्द जी गधैया व कालूराम जी जम्मड़ ने सह चिन्तन से जो कार्य किया, उसे लिखें।

प्र. 4 मघवागणी की जनोपकारी यात्राओं का विवरण करें। 10

अथवा

सिद्ध करें कि मघवागणी तेरापंथ धर्मसंघ को 'वीतरागकल्प' आचार्य के रूप में प्राप्त हुए थे।

आचार्य श्री माणकलालजी–15

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मघवागणी ने मुनि माणक के विकास के लिए कौन-कौन से अवसर प्रदान किए?

(ख) आचार्य मघवागणी ने नियुक्ति पत्र लिखने के पश्चात मुनि माणक को कौन-कौन से कार्य सौंपे?

(ग) माणकगणी के थली क्षेत्र के विहरण को संक्षेप में लिखें।

प्र. 6 'चिरंजीकांड' घटना प्रसंग को लिखें। 10

अथवा

बालक माणक की संसार से विरक्ति एवं दीक्षा आज्ञा की प्राप्ति का संपूर्ण घटनाक्रम लिखें।

आचार्य डालचन्द जी–23

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) भावी आचार्य के रूप में श्री डालमुनि के लिए किन-किन व्यक्तियों ने कहा?

(ख) आचार्य के अभाव में धर्मसंघ में कौन-कौन से कार्य स्थगित किए गए?

(ग) 1958 में बीदासर से विहार करते हुए गर्मी के कारण एक ही दिन में कितने व कौन-कौन से साधु-साध्वियां दिवंगत हो गए?

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'तुम्हारे जैसे विष कुंभ पयोमुखं' व्यक्ति की संघ की कोई आवश्यकता नहीं है। इस वाक्य से सम्बन्धित घटना प्रसंग लिखें।

(ख) भावी व्यवस्था का सामान्य संकेत देने के पश्चात डालगणी ने संतों को सामूहिक रूप से शिक्षा प्रदान की उसका सारांश लिखते हुए बताएं कि उस समय किन-किन साधु-साध्वियों को विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया?

प्र. 9 डालगणी के जीवन में घटित घटना प्रसंग उनकी व्यक्तित्व की अनेक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हैं? स्पष्ट करें। 12

अथवा

डालमुनि की द्वितीय कच्छ-यात्रा का वर्णन करें।

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 10 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 14

(क) लोग विरोधी.....पधार हो।

(ख) कर अपवाद.....अधिकार हो।

(ग) कालू-युग.....सार हो।

(घ) कम्प्यूटर.....जोड़ीदार हो।

प्र. 11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें– 7

(क) प्रवचन मे.....व्यापार हो।

(ख) जय प्रकाश.....त्यार हो।

(ग) जोघाणै.....मनुहार हो।

(घ) आध्यात्मिक.....क्रमवार हो।

तेरापंथ-प्रबोध–9

प्र. 12 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) 'रूं-रूं में सांवरियो वसियो' गीत वाला पद्य

(ख) 'भादूड़ी तेरस आई है' गीत वाला पद्य।

(ग) 'आत्म-साक्षात्कार प्रेक्षाध्यान' गीत वाला पद्य।

(घ) स्वामीजी स्वर्गस्थ.....अवतार हो।

(ङ) श्रावक वाग.....विचार हो।